भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1492

उत्तर देने की तारीख 09.02.2026

कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ में जनजातीय सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण

1492. श्री अमरसिंग टिस्सो :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जिलों में सरकार द्वारा पहचान की गई और समर्थित जनजातीय सांस्कृतिक परंपराओं, कला रूपों और विरासत परिसंपत्तियों की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान सरकार की लागू योजनाओं के अंतर्गत प्रदान की गई वित्तीय सहायता का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इन जिलों की किन्हीं जनजातीय भाषाओं अथवा मौखिक परंपराओं का प्रलेखन अथवा उन्हें डिजिटाइज किया गया है; और

(घ) इन जिलों के जनजातीय सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): उत्तर पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनईजेडसीसी), दीमापुर (संस्कृति मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संगठन) ने विभिन्न सांस्कृतिक उत्सवों और कार्यक्रमों के माध्यम से असम के कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जिलों की जनजातीय सांस्कृतिक परंपराओं, कला रूपों और विरासत से जुड़ी परिसंपत्तियों की पहचान की है और उन्हें सहायता प्रदान की है, जिनका ब्यौरा **अनुलग्नक** में दिया गया है। विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान असम राज्य सहित अपने सदस्य राज्यों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कार्यकलापों के आयोजन के लिए एनईजेडसीसी को जारी किया गया सहायता अनुदान निम्नानुसार है:

(लाख रुपए में)

क्र. सं.	वर्ष	जारी की गई राशि
i.	2020-21	224.26
ii.	2021-22	1149.74
iii.	2022-23	840.18
iv.	2023-24	827.14
v.	2024-25	1431.66
vi.	2025-26 (आज की तारीख तक)	1002.75

संस्कृति मंत्रालय गुरु-शिष्य परम्परा (रेपर्टरी अनुदान) स्कीम संचालित करता है जिसके अंतर्गत संगीत समूह, नृत्य समूह, बाल रंगमंच सहित रंगमंच समूह, संगीत मंडली आदि जैसी मंच कला की सभी विधाओं के लोक कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस स्कीम के अंतर्गत, कलाकार की आयु के आधार पर गुरु (समूह के प्रमुख) के लिए सहायता राशि 15,000/- रुपए प्रति माह और शिष्य के लिए 2,000-10,000/- रुपए प्रति माह है। विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान इस स्कीम के अंतर्गत असम में स्थित संगठनों को जारी किया गया अनुदान इस प्रकार है:

(लाख रुपए में)

क्र. सं.	वर्ष	जारी की गई राशि
i.	2020-21	53.40
ii.	2021-22	227.10
iii.	2022-23	214.54
iv.	2023-24	277.54
v.	2024-25	263.25
vi.	2025-26 (आज की तारीख तक)	236.52

असम सहित देश के पारंपरिक मेला उत्सवों को प्रोत्साहित करने के लिए, संस्कृति मंत्रालय द्वारा सांस्कृतिक समारोह और निर्माण अनुदान स्कीम (सीएफपीजी) भी संचालित की जाती है जिसके अंतर्गत संगोष्ठियों, सम्मेलनों, अनुसंधान, कार्यशालाओं, उत्सवों, प्रदर्शनियों, विचारगोष्ठियों के आयोजन और नृत्य, नाटक-रंगमंच, संगीत आदि के सृजन के लिए संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान इस स्कीम के अंतर्गत असम में स्थित संगठनों को जारी किया गया अनुदान इस प्रकार है:

(लाख रुपए में)

क्र. सं.	वर्ष	जारी की गई राशि
i.	2020-21	30.12
ii.	2021-22	34.66
iii.	2022-23	96.21
iv.	2023-24	114.11
v.	2024-25	34.34
vi.	2025-26	27.52

	(आज की तारीख तक)	

(ग): एनईजेडसीसी ने अपनी 'अनुसंधान और प्रलेखन/लुप्तप्राय कला रूप परियोजना' के अंतर्गत लोक-साहित्य, वाचिक परंपराओं और सांस्कृतिक महत्व पर केंद्रित दिमासा लोक वाद्ययंत्रों से संबंधित जनजातीय वाचिक परंपराओं, जैसे "ट्यूनिंग इन टू दिमासा फोक इंस्ट्रूमेंट्स ऑफ असम- ए रिसर्च बुक" का प्रलेखन किया है तथा एक स्वदेशी तिवा कला रूप "मग्रोवती मुनारी कांथी मिसवावा: इसकी विरासत और महत्व" का भी प्रलेखन किया गया है।

(घ): दृश्यता और आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए, उत्तर पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनईजेडसीसी), दीमापुर और पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (ईजेडसीसी), कोलकाता (संस्कृति मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संगठन) द्वारा असम राज्य (कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जिलों सहित) के अपने सदस्य राज्यों के लोक/जनजातीय कलाकारों को उनके द्वारा आयोजित राष्ट्रीय और अंतर-क्षेत्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों, उत्सवों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए शामिल किया जाता है। इन कलाकारों को उनकी आजीविका कमाने में सक्षम बनाने के लिए मानदेय, यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता, स्थानीय परिवहन, आवास और भोजन आदि का भुगतान किया जाता है।

संस्कृति मंत्रालय द्वारा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देने और वैश्विक स्तर पर सतत रूप से भारत की छवि को संवर्धित करने के लिए "वैश्विक भागीदारी स्कीम" नामक स्कीम कार्यान्वित की जाती है। इस स्कीम का उद्देश्य भारतीय कला रूपों में अभ्यासरत कलाकारों को 'भारत महोत्सव' के बैनर के अंतर्गत विदेशों में प्रस्तुति देने का अवसर प्रदान करना है। इस स्कीम के तहत, लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक रंगमंच और कठपुतली कला, शास्त्रीय और पारंपरिक नृत्य, प्रायोगिक/समकालीन नृत्य, शास्त्रीय/अर्धशास्त्रीय संगीत, रंगमंच आदि जैसे विविध सांस्कृतिक क्षेत्रों के कलाकार विदेशों में 'भारत महोत्सव' में प्रस्तुतीकरण देते हैं। संस्कृति मंत्रालय ने विदेश में आयोजित होने वाले भारत महोत्सवों में प्रस्तुति देने के लिए विभिन्न कला रूपों के अंतर्गत 627 कलाकारों/समूहों को पैनलबद्ध किया है।

*****

अनुलग्नक

'कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ में जनजातीय सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण' के संबंध में दिनांक 9 फरवरी, 2026 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1492 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

कार्बी आंगलोंग जिला, असम

क्र. सं.	**जनजाति**	**प्रमुख त्योहार**	**प्रमुख नृत्य और संगीत रूप और कला रूप**
i.	कार्बी	रोंगकेर, चोमांगकन, हाचा केकान, कार्बी युवा महोत्सव, झूम खेती महोत्सव, रीति-रिवाज और पूजा महोत्सव आदि।	दोमाही कीकन, जकोई बेदांग, चोमंगकन नृत्य, रोंगकेर नृत्य; चेंग (ड्रम), पोंगसी (बांसुरी), कृषि नृत्य, रितनोंग चिंगदी, चोंग काचिंगनांग
ii.	तिवा (पहाड़ियाँ)	यांगली, बोरोट उत्सव, वसंत महोत्सव	यांगली नृत्य, माग्रोवतीमुइनारी कांथी मिस्वावा
iii.	प्लेन तिवा/ लालुंग	बारात	लांखोन मिसवावा, बारात, ना फिसा मिसवावा
iv.	ज़ेमे (नागा)	हेगा महोत्सव, न्गाई	ज़ेमे लोक नृत्य
v.	असमिया	बिहु	बिहू नाम और नाच और पारंपरिक बेंत और बांस शिल्प
vi.	बौद्ध मान ताई	पोई- सांगकेन, माई-कु-शुम-फाई/ बुद्ध जयंती और बौद्ध अनुष्ठान	का अलोंग (परी नृत्य), का तेखेंग (आनंद नृत्य), का मेंगबी (तितली नृत्य), का नुकजंग (मोर नृत्य), का चोंग (छाता नृत्य)

दीमा हसाओ जिला, असम

क्र. सं.	**जनजाति**	**प्रमुख त्योहार**	**प्रमुख नृत्य और संगीत रूप और कला रूप**
i.	दिमासा कचरी	बैशू, बुशू दिमा, हांगसेठ मनाओबा, राजिनी गाब्रा, बाथौ	बैशु डांस, जुमांग्शा नृत्य; ख्रम (ड्रम), मुरी (बांसुरी)
ii.	कुकी	मीम कुट, चावांग कुट	कुकी लोक नृत्य, ड्रम और गोंग संगीत

*****